न्यूज डायरी

लगातार दूसरे दिन चीनी फाइटर जेट ने की घुसपैठ, ताइवान ने फिर भगाया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ताइवान। चीन की पीपल्स लिबरेशन आमी ने ताइवान को धमकाना नहीं छोड़ा है। लगातार दूसरे दिन ताइवान के एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन में तड़के चीन के फाइटर जेट जा पहुंचे। देश के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। मंत्रालय ने यह तो नहीं बताया कि कितने चीनी एयरक्राफ्ट वहां पहुंचे थे। हालांकि, यह बताया गया कि Su–30 लड़ाकू विमान और Y–8 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट ताइवान के दक्षिणी ADIZ में दाखिल हो गए।
इसके बाद ताइवान की वायुसेना ने श्उपयुक्त और असरदारश प्रतिक्रिया दी। जब तक ये जेट ADIZ से बाहर नहीं हो गए, उन्हें मॉनिटर किया जाता रहा। इसी बीच मंत्रालय ने चीन के बार –बार जंगी जहाज भेजने की निंदा की है। ताइवान का कहना है कि इस हरकत से क्षेत्रीय शांति और स्थिरता पर प्रभावित होती है और ताइवान के लोगों के मन में चीन के प्रति नकारात्मक भावनाएं पैदा हो सकती हैं।

जॉर्डन में सैन्य अड्डे के गोदाम में विस्फोट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जारका। जॉर्डन के एक सैन्य अड्डे पर स्थित गोदाम में शुक्रवार सुबह कई धमाके हुए। अधिकारियों ने बताया कि इस गोदाम में मोर्टार के बेकार बमों को निष्क्रिय किया जाता है। यह गोदाम जारका से कुछ दूरी पर पूर्व दिशा में एक सुनसान इलाके में है। आसपास के इलाके को सुरक्षा बलों ने सील कर दिया है। सैन्य बलों तथा सरकारी प्रवक्ता की ओर से यह जानकारी दी गई। सरकारी समाचार एजेंसी पेत्रा ने सरकारी प्रवक्ता अमजद अदैलेह के हवाले से बताया कि अब तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच में ऐसा प्रतीत होता है कि विस्फोट की वजह बिजली संबंधी कोई खामी है। सैन्य बलों की ओर से जारी बयान में कहा गया कि विस्फोट के कारणों की जांच के लिए एक समिति का गठन किया गया है।

पाकिस्तान को आतंकवादी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने की जरूरत है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। भारत और अमेरिका ने बृहस्पतिवार को कहा कि पाकिस्तान को आतंकवादी संगठनों के खिलाफ तत्काल, सतत और अपरिवर्तनीय कार्रवाई करने की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उसके नियंत्रण वाले किसी भी क्षेत्र का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों में नहीं हो। भारत और अमेरिका ने बृहस्पतिवार को एक संयुक्त बयान में यह बात कही। दोनों देशों ने इस्लामाबाद से मुम्बई हमले और पठानकोट वायु सेना अड्डे पर हुए हमले सहित अन्य आतंकवादी हमलों के दोषियों के खिलाफ त्वरित कानूनी कार्रवाई की भी मांग की। 'भारत अमेरिका आतंकवाद निरोधी संयुक्त कार्य समूह' की 17वीं बैठक और 'इंडिया–यूएस डेजिग्नेशन डायलॉग' के तीसरे सत्र के बाद जारी एक संयुक्त बयान में दोनों देशों ने आतंकवाद के परोक्ष इस्तेमाल और सीमा–पार आतंकवाद की निंदा की।

नांगरहार प्रांत में तालिबान का हमला, 16 अफगान सैनिकों को उतारा मौत के घाट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। तालिबान इस्लामवादी आंदोलन ने पूर्वी प्रांत नंगरहार में अफगान सुरक्षा बलों के ठिकानों पर हमला किया है। एक स्थानीय सूत्र ने शुक्रवार को बताया कि हमले में 16 सैनिक मारे गए और कुछ अन्य घायल हो गए हैं। सूत्रों ने आगे कहा कि आतंकवादियों ने नंगरहार के खोगयानी जिले के गंडुमक इलाके में अफगान सेना और पुलिस की चौकियों को निशाना बनाया। सूत्र के मुताबिक, हमले में तीन सुरक्षा पोस्ट ध्वस्त हो गए। यह हमला काबुल और तालिबान द्वारा कैदियों की आपसी रिहाई के बाद शनिवार को कतर में शुरू होने वाली बहुप्रतीक्षित अंतर–अफगान शांति वार्ता से पहले हुआ है। लगभग दो दशकों के युद्ध और उग्रवाद के बाद इसे स्थायी बनाने के लिए युद्ध विराम के दृष्टिकोण के साथ अन्य बातों के अलावा, बातचीत पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, हां, मैं अमेरिका का चीयरलीडर हूं

आरोप

टेप्स में दावा, ट्रंप को पता था वायरस कितना घातक

- अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर बड़ा आरोप
- मास्क लगाने पर नहीं दिया जोर, गईं लाखों जानें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने माना है कि उन्होंने कोरोना वायरस के घातक नेचर को जानबूझकर छिपाने की बात मानी है। उन्होंने कहा है कि उन्होंने इसलिए इसकी गंभीरता इसलिए छिपाई ताकि डर और उन्माद पैदा न हो। वहीं, आलोचक आरोप लगाते रहे हैं कि ट्रंप दोतरफा बात करते हैं और उन्होंने हजारों लोगों को मौत के मुंह में धकेला है जिन्हें बचाया जा सकता था। जर्नलिस्ट बॉब वुडवर्ड की आने वाली किताब 'Rage' में इसका दावा किया गया है।

ट्रंप का विरोध शुरू: राजनीतिक गलियारे में 'Trump lied] people died' (ट्रंप ने झूठ बोला, लोग मरे) की गूंज है। ट्रंप और उनके समर्थक उनके टेप्स पर बचाव करने की कोशिश कर रहे हैं। वुडवर्ड से फरवरी में ट्रंप ने इस बात को माना था कि कोरोना वायरस घातक है जबकि लोगों से वह बोलते रहे कि इससे ज्यादा खतरनाक नहीं है और धीरे–धीरे चला जाएगा। वुडवर्ड ने दिसंबर से लेकर जुलाई तक ट्रंप का इंटरव्यू किया और इस दौरान उनके बयान रिकॉर्ड किए।

ट्रंप ने वुडवर्ड की चुप्पी पर किए सवाल: ट्रंप ने अपने बयान का बचाव करते हुए कहा, बात यह है कि मैं देश के लिए एक चीयरलीडर हूं। मैं अपने देश से प्यार करता हूं और मैं नहीं चाहता हूं कि लोग डरें। मैं विश्वास दिखाना चाहता हूं, मैं ताकत दिखाना चाहता हूं।श ट्रंप ने वुडवर्ड पर भी सवाल किया है कि अगर उन्हें लगा था कि ट्रंप सही नहीं हैं तो उन्होंने लोगों की जान बचाने के लिए सच दुनिया के सामने तभी क्यों नहीं रखा। ट्रंप ने कहा कि वुडवर्ड उनसे सहमत थे और अब उन्होंने राजनीतिक तौर पर इन टेप्स का इस्तेमाल किया है।

ट्रंप ने बिलकुल नजरअंदाज किया खतराः कुछ लोगों का मानना है कि जनता को नहीं बताना सही फैसला था। हालांकि, इस बात को गंभीरता से लिया जा रहा है कि आखिर क्यों ट्रंप ने लोगों के सामने ऐसा जाहिर किया कि वायरस ज्यादा घातक नहीं है। यही नहीं, उन्होंने मास्क पहनने जैसे कदम को प्रोत्साहन क्यों नहीं दिया। हाल ही में ट्रंप ने एक रिपोर्टर का मास्क पहनने पर मजाक भी उड़ाया था। उनकी रैलियों में लोग बिना मास्क के पहुंचे। वहीं, ट्रंप समर्थक इस बात पर हैरान हैं कि आखिर ट्रंप वुडवर्ड से बात करने के लिए क्यों तैयार हुए। वुडवर्ड ने ही कार्ल बर्नस्टीन के साथ मिलकर वॉटरगेट खुलासा किया था। उसके बाद से उन्होंने हर राष्ट्रपति से जुड़े खुलासे किए हैं जो होश उड़ाने वाले रहे हैं।

ग्लोबल टाइम्स के एडिटर को ठंड की धमकी देना पड़ा भारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन के सरकारी प्रोपेगैंडा अखबार ग्लोबल टाइम्स के संपादक हू शिजिन भारतीय सेना को ठंड की धमकी देकर बुरी तरह से ट्रोल हो गए। दरअसल, हू शिजिन ने कहा कि यदि भारतीय सैनिक पैंगोंग झील के दक्षिण तट से नहीं हटते हैं तो चीनी सेना पूरे ठंड के मौसम तक उनके साथ मुकाबला करती रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय सैनिकों का संचालन तंत्र बहुत खराब है। कई भारतीय सैनिक या तो ठंड से मर जाएंगे या फिर से कोरोना वायरस से।
ग्लोबल टाइम्स के एडिटर ने ट्वीट कर कहा कि यदि युद्ध होता है तो भारतीय सेना को तेजी से हराया जा सकेगा। इस धमकी के बाद हू शिजिन ट्विटर पर बुरी तरह से ट्रोल हो गए। मोहसिन शेख ने सियाचिन का उदाहरण चीनी संपादक को करारा जवाब दिया। उन्होंने लिखा, श्भारतीय सैनिक दुनिया के सबसे ठंडे और ऊंचे युद्धक्षेत्र में 24 घंटे और सातों दिन डटे रहते हैं। हमारी भारतीय सेना पहाड़ी क्षेत्रों में युद्ध में महारत रखती है। आप केवल अपने सैनिकों के प्रैक्टिस करने के फर्जी टिकटॉक वीडियो दिखाओ। आपने 40–42 साल पहले अंतिम युद्ध वियतनाम में लड़ा था।
विशाल गुर्जर ने लिखा, भारतीय सेना सियाचिन में माइनस 50 डिग्री पर 10 हजार से लेकर 18 हजार फुट की ऊंचाई पर 24 घंटे पहरा देती है।

अरब महासागर में र०केट और मिसाइलें बरसा रही ईरानी सेना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ईरान। अमेरिका और इजरायल से चल रहे तनाव के बीच ईरान हिंद महासागर में बम और रॉकेट की बारिश कर रहा है। ईरान की सेना ने देश के दक्षिणी इलाके में समुद्र तट पर जोरदार युद्धाभ्यास शुरू किया है। तीन दिन तक चलने वाले इस सैन्ध्याभ्यास को जुल्फिकार–99 नाम दिया गया है। इस अभ्यास में ईरान की सेना, नेवी और वायुसेना तीनों ही हिस्सा ले रहे हैं। ईरान ने एयर डिफेंस फोर्स और नए हथियारों को भी तैनात किया है। ईरान के इस सैन्याभ्यास का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यह करीब 20 लाख वर्ग किलोमीटर इलाके में हो रहा है। ये अभ्यास होर्मूज स्ट्रेट, सी ऑफ ओमान, मकरान तट और उत्तरी हिंद महासागर में चल रहा है।

हम दुनिया के हर देश को कोरोना वायरस वैक्सीन Sputnik V देना चाहते हैं: रूस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पश्चिमी देश रूस की कोरोना वैक्सीन पर उठाते आ रहे हैं सवाल

मॉस्को। रूस की कोरोना वायरस को भले ही दुनियाभर में शक की निगाह से देखा जाता हो, वह हर देश को यह वैक्सीन देना चाहता है। रशियन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट फंड के CEO किरिल दिमित्रीव का कहना है कि बिना किसी भेदभाव के रूस हर देश को वैक्सीन देना चाहता है। उन्होंने कहा है कि दूसरे देशों के साथ पार्टनरशिप करके वैक्सीन बनाई जा सकती है। उन्होंने दूसरे देशों के साथ काम करने की रूस की इच्छा पर भी जोर दिया।

अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ कर रहे हैं कामः दिमित्रीव ने कहा है, रूस का रुख काफी खुला है, अंतरराष्ट्रीय कंपनियों से पार्टनरशिप और सहयोग के लिए। हम GAVI और CEPI के साथ–साथ WHO और अग्रणी अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ समझौते कर रहे हैं जो वैक्सीन बनाते हैं और रिसर्च–डिवेलपमेंट में काम करते हैं। Sputnik V को रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने 11 अगस्त को रजिस्टर किया था। यह रजिस्टर होने वाली दुनिया की पहली कोरोना वायरस वैक्सीन है।

पश्चिमी मीडिया पर उठाया सवालः दिमित्रीव ने पश्चिमी मीडिया पर सवाल किया। उन्होंने पूछा कि चिंपान्जी adenovirus वेक्टर पर आधारित वैक्सीन तैयार करने की कोशिश में होने वाले खतरों पर मीडिया चुप क्यों है।

नागरिकों के लिए जारी की वैक्सीनः रूस ने अपने नागरिकों के लिए अपनी दुनिया की पहली कोरोना वायरस वैक्सीन Sputnik V के पहले बैच को आम नागरिकों के लिए जारी कर दिया है। रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस रूसी वैक्सीन ने सभी गुणवत्ता जांच को पार कर लिया है और अब इसे आम नागरिकों को लगाने के लिए जारी कर दिया गया है। रूसी वैक्सीन का इसी सप्ताह तीसरे चरण का क्लिनिकल ट्रायल शुरू होने जा रहा है।

कोरोना वैक्सीन के ट्रायल में रुकावट से चिंतित नहीं है डब्ल्यूएचओ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मुख्य वैज्ञानिक का कहना है कि ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और दवा कंपनी ऐस्ट्राजेनेका द्वारा विकसित कोविड–19 टीके का परीक्षण रूकने से एजेंसी बहुत चिंतित नहीं है। डॉक्टर सौम्या स्वामीनाथन ने ऑक्सफोर्ड के क्लीनिकल परीक्षण में आई रूकावट को दुनिया के लिए यह समझने का अवसर बताया कि अनुसंधान में उतार–चढ़ाव आते रहते हैं। स्वामीनाथन का कहना है कि मनुष्यों पर अभी तक हुए परीक्षण के आंकड़े काफी अच्छे हैं और उनमें कुछ देर के लिए इस रोग से लड़ने की क्षमता विकसित हो रही है। उनका कहना है कि टीका लोगों को रोग से बचाने में सक्षम है या नहीं यह तय करने के लिए हजारों–लाखों लोगों पर परीक्षण करने की जरूरत है। स्वामीनाथन ने कहा कि हो सकता है कि साल के अंत तक कुछ परिणाम निकले, या फिर अगले साल नतीजे आएं।श उन्होंने कहा, श्हमें परिणाम पाने के लिए थोड़ा धैर्य रखना होगा।